सप्ताह की बातचीत

सवाल - कूनो में चीते छोड़ने से पहले आपसे नहीं पूछा..? | शाह- 6 नवंबर को छोड़ना तय था, गलतफहमी हुई और 5 को छोड़ दिए, एकाध दिन ऊपर-नीचे हो गया

विजय शाह
वन मंत्री

आदिवासी वोट बैंक साधने के लिए जमीन तैयार कर रही भाजपा के आदिवासी नेता व वन मंत्री विजय शाह का कहना है कि 2018 में कुछ जनजातीय नेता लोगों का दिल नहीं जीत पाए, हार गए। लेकिन भाजपा सरकार ने इस वर्ग के लिए जितना काम किया, अन्य किसी ने नहीं। जहां तक प्रदेश में आदिवासी लीडरशिप का सवाल है तो केवल जाति के आधार पर मुख्यमंत्री बनाने के हम खिलाफ हैं। **आशीष चौहान** के साथ बातचीत में उन्होंने कूनो में चीते छोड़ने से लेकर सागौन तस्करी तक कई विषयों पर बेबाक राय रखी।

▪ क्या भाजपा के आदिवासी नेता फेल हो गए हैं?
ऐसा नहीं है। मप्र में 21-22% आबादी आदिवासियों की है। आजादी के बाद दुर्भाग्य रहा कि टंट्या मामा, शंकर-रघुनाथ शाह, भीमा नायक जैसे क्रांतिवीरों को भुला दिया गया। दूसरी सरकारें उनका सम्मान नहीं कर पाईं। जो सबसे नीचे और पीछे थे, उन्हें आगे बढ़ाने का काम भाजपा ने किया। जंगल में पट्टे दिए, शिक्षा का स्तर सुधारा और पेसा कानून में अधिकार दिए।

▪ भाजपा से कहां चूक हुई कि आदिवासी वोट बैंक हाथ से निकल गया?
चूक नहीं हुई। चूक होती तो हम 32 साल से विधायक नहीं होते। चौथी बार प्रदेश में भाजपा सरकार है। 2018 में कर्जमाफी का फैक्टर भी काम किया। कुछ नेता वोटर का दिल नहीं जीत पाए। सीटें कम होना और बात है पर वोट शेयर आज भी ज्यादा है।

▪ क्या अब आदिवासी को मप्र का मुख्यमंत्री बनना चाहिए?
हमारे यहां जाति के आधार पर पद नहीं दिया जाता। प्रतिशत के आधार पर सरकार में सहभागिता व मंत्रीमंडल में स्थान दिया जाता है। वह तो मुझे मिला हुआ है। केवल जाति के आधार पर मुख्यमंत्री बनाने के हम खिलाफ रहते हैं।

▪ आपको क्या लगता है, राज्यपाल के कामों का 2023 के चुनाव में भाजपा को फायदा मिलेगा?
राज्यपाल मंगूभाई 1990 से गुजरात में ट्राइबल मंत्री रहे हैं। उन्होंने आदिवासी के दर्द को समझा है। आदिवासी अंचल में सिकल सेल बीमारी के प्रति अवेयरनेस कैंप लगा रहे हैं। राज्यपाल के रूप में भी कर्तव्य निभा रहे हैं।

▪ कूनो में चीतों को छोड़ने से पहले आपसे पूछा नहीं, क्या अफसर नहीं सुनते?
यह बात तय हुई थी कि 6 नवंबर को छोड़ेंगे, क्योंकि मैं 5 को जा नहीं सकता था। फिर कोई गलतफहमी हुई और चीते छोड़ दिए। कब छोड़ना, कैसे छोड़ना है...यह भारत सरकार व साउथ अफ्रीका सहित चीतों की मॉनिटरिंग करने वाले एनजीओ तय करते हैं। उन्होंने छुड़वा दिए। एकाध दिन ऊपर-नीचे हो गया।

▪ आपके कार्यकाल में ही वन्य प्राणियों का शिकार व सागौन की तस्करी बढ़ी है?
प्रदेश में खुला जंगल है। यहां कैसे सुरक्षा करें...बंदूक के बल पर सुरक्षा का मैं पक्षधर नहीं हूं। घटनाएं जंगल की जमीन पर कब्जा करने के लिए हो रही हैं। शिकार व सागौन की तस्करी पर जितनी सजाएं हमारी सरकार में हुई हैं, उतनी पहले कभी नहीं हुईं।

▪ दिग्गज आदिवासी नेता रंजना बघेल, निर्मला भूरिया, नागरसिंह सहित कई विधायक चुनाव हार गए?
चुनाव जीतना-हारना जनता के हाथ में है। उनकी ओर से कोई चूक रही होगी। आदिवासियों के विश्वास को वोट में बदलना आसान नहीं होता।

▪ आदिवासी सीटों के मामले में 2013 के फिगर पर पहुंचने के लिए क्या रणनीति रहेगी?
प्रदेश में 47 सीटें आदिवासियों के लिए आरक्षित हैं। ये सीटें 60 सीटों को प्रभावित करती हैं। सरकार बनाने में आदिवासी सीटों का योगदान रहता है। हमारा संगठन भी लगा है कि 2023 में ज्यादा से ज्यादा सीटें जीतें।

पेज 1 का शेष

एसएससी: इस साल होंगी 50 हजार से ज्यादा भर्तियां...

इसके अलावा दिल्ली पुलिस एमटीएस परीक्षा भी एसएससी की जगह दिल्ली पुलिस द्वारा ही करवाई जाएगी। महत्वपूर्ण है कि एसएससी सीजीएल 2023 का नोटिफिकेशन पिछली बार की तुलना में 5 महीने पहले आएगा। सीजीएल 2022 का नोटिफिकेशन सितंबर में अपलोड किया गया था। 2023 के लिए यह 1 अप्रैल को आएगा। नोटिफिकेशन जल्द आने से सीजीएल की तैयारी करने वाले छात्रों को फायदा होगा। इसके अलावा 2022 व 2023 सीएचएसएल में भी मात्र तीन माह का गैप रहेगा। सीएचएसएल 2022 के लिए 6 दिसंबर को नोटिफिकेशन जारी हुआ था जिसके आवेदन अभी चल रहे हैं। यह परीक्षा (टियर 1) मार्च 2023 में प्रस्तावित है। वहीं सीएचएसएल 2023 का नोटिफिकेशन 9 मई 2023 को जारी हो जाएगा। परीक्षा जुलाई-अगस्त 2023 में होनी है। इसका मतलब है कि दोनों परीक्षाओं के बीच लगभग तीन माह का अंतर रहेगा।

सहसरकार्यवाह मनमोहन वैद्य बोले

भारत को भारत रखना है तो गांव समृद्ध करने होंगे

भोपाल/ शिवपुरी| आरएसएस के सह सरकार्यवाह मनमोहन वैद्य का कहना है कि भारत को भारतीय नजरिए से देखना है तो गांवों को समृद्ध करना होगा। दुनिया की चकाचौंध से प्रभावित होने से बचेंगे, तभी हम भारत को भारत रख पाएंगे। भारत की आत्मा गांवों में बसती है। गांव को फिर से प्रतिष्ठित बनाना होगा। वैद्य ने शुक्रवार को शिवपुरी के फतेहपुर में विद्याभारती के ग्राम भारती शिक्षा समिति संयोजक मंडलों के प्रांतीय सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए यह बात कही। यह सम्मेलन तीन दिन चलेगा। विद्याभारती के अखिल भारतीय उपाध्यक्ष डॉ. रविंद्र कान्हेरे, राष्ट्रीय सह संगठन मंत्री श्रीराम अरावकर सहित अन्य लोग सम्मेलन में मौजूद हैं। इस सम्मेलन में ग्रामीण क्षेत्र के स्कूलों के शिक्षकों को ग्राम विकास के नौ आयामों साक्षरता, समरसता, संस्कृति, संस्कार, स्वास्थ, स्वावलंबन, स्वदेशी, स्वच्छता, पर्यावरण के मुद्दों पर ट्रेनिंग दी जा रही है।

पहली जांच में ही ऐसे 70 छात्र मिले, नंबर की बाध्यता खत्म होने से गड़बड़ी बढ़ी

नर्सिंग प्रवेश में फर्जीवाड़ा, एक छात्र का नाम दो से ज्यादा कॉलेजों में, सबको भेजा नोटिस

भास्कर एक्सक्लूसिव

भास्कर न्यूज़ |रायपुर

राज्य सरकार ने नर्सिंग कॉलेजों में प्रवेश के लिए नंबरों की बाध्यता खत्म कर दी, लेकिन अब इस पर फर्जीवाड़ा शुरू हो गया है। चिकित्सा शिक्षा संचालनालय की प्रारंभिक जांच में ही इस बात का खुलासा हो गया है कि एक छात्र को दो से ज्यादा नर्सिंग कॉलेजों में एडमिशन दे दिया गया है। अभी तक ऐसे 70 छात्रों के नाम सामने आ गए हैं। गड़बड़ी करने वाले सभी कॉलेजों को नोटिस भी भेज दी गई है। जीरो परसेंटाइल में एडमिशन देने के आदेश के बाद से ही खासतौर पर निजी नर्सिंग कॉलेजों में प्रवेश को लेकर मारामारी शुरू हो गई है। क्योंकि एडमिशन 31 दिसंबर तक ही हो सकते हैं। काउंसिलिंग के लिए समय कम होने की वजह से कॉलेज वाले अपनी मनमानी से छात्रों को प्रवेश दे रहे हैं।

सूची मंगाई तो खुला कॉलेजों का गोलमाल

बीएससी नर्सिंग, एमएससी, पोस्ट बेसिक बीएससी व जीएनएम में तीन राउंड के एडमिशन 31 अक्टूबर तक ही हो गए थे। अभी नंबरों की बाध्यता खत्म होने से जीरो परसेंटाइल से एडमिशन हो रहे हैं। डीएमई कार्यालय ने सभी कॉलेजों से एडमिशन लेने वालों की सूची मंगाई। इसकी बारीकी से जांच करने के बाद ही पता चला कि एक छात्र के नई कई कॉलेजों में हैं। कई छात्र ऐसे हैं जिनका नाम दे भी ज्यादा कॉलेजों में है। इसके बाद ही नोटिस जारी करने के साथ ही अलर्ट भी जारी किया गया। अभी तेजी से नर्सिंग कॉलेजों में प्रवेश हो रहे हैं।

गलती पर कॉलेजों के खिलाफ करेंगे कार्रवाई

डीएमई कार्यालय ने कहा है कि दोबारा एक छात्र का नाम एक से ज्यादा कॉलेजों की प्रवेश सूची में मिला तो कॉलेजों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। यह गलती कॉलेज की ही मानी जाएगी। इसके लिए छात्र जिम्मेदार नहीं होंगे। इंडियन नर्सिंग काउंसिल के अनुसार नर्सिंग कोर्सों में 31 दिसंबर तक ही एडमिशन दिया जा सकेगा।

कॉलेजों ने दिया जवाब- छात्रों ने ही छोड़ीं सीटें

डीएमई ने कॉलेज प्रबंधनों से जब छात्रों को एक से ज्यादा कॉलेजों में एडमिशन देने की जानकारी मांगी तो ज्यादातर ने कहा कि जिन छात्रों के नाम दूसरे कॉलेजों में वे सीट छोड़कर जा चुके हैं। इस पर अधिकारियों ने भी सवाल उठाते हुए कहा कि अगर ऐसा हुआ है तो प्रवेशित सूची में उनके नाम क्यों नहीं हटाए गए। डीएमई दफ्तर को ऐसे छात्रों के नाम क्यों भेजे गए। प्रवेश लेने और सीट छोड़ने वाले छात्रों के नाम एक साथ क्यों रखे गए। इस पर कॉलेज संतोषजनक जवाब नहीं दे पाए हैं। फिलहाल ऐसे कॉलेजों को चेतावनी ही दी गई है। लेकिन यह भी कहा गया है कि अब गड़बड़ी हुई तो कार्रवाई भी तय है।

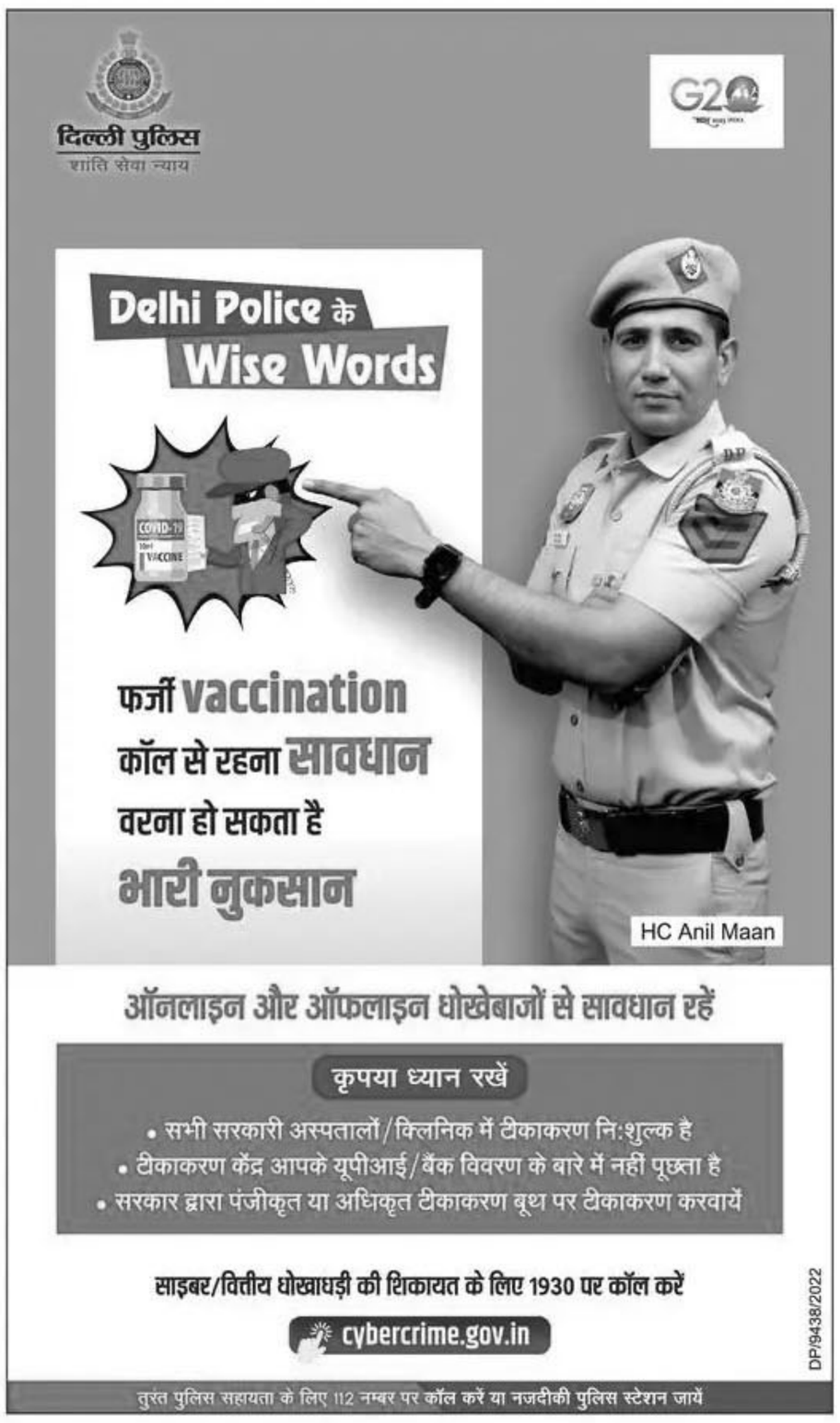

24 साल पुराने गबन केस में पूर्व मंत्री भगवान सिंह यादव को सजा

ग्वालियर| धोखाधड़ी और भ्रष्टाचार के मामले में विशेष न्यायालय (एमपी/एमएलए) ने पूर्व मंत्री भगवान सिंह यादव सहित कुल 6 लोगों को सजा के साथ जुर्माना लगाया है। चौबीस साल पुराना यह मामला जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित ग्वालियर से जुड़ा हुआ है। यादव तब बैंक के अध्यक्ष थे। बैंक ने संस्था से बिना कुटेशन बुलाए स्टेशनरी खरीदकर 4.45 लाख का गबन किया। वर्ष 2009 में ईओडब्ल्यू ने एफआईआर दर्ज की थी। इस मामले में पूर्व मंत्री यादव व तत्कालीन प्रबंधक डीके जैन को तीन-तीन साल की सजा के बाद न्यायालय से जमानत भी मिल गई।

OFFICE OF THE CHIEF MUNICIPAL OFFICER URBAN LOCAL BODY, PREM NAGAR

E-procurement Tender Notice

Main Portal: https://cgeprocurement.gov.in

NIT. No. 1315/N.P./2022 Prem Nagar /Dated 30-12-2022

Online bids are invited for followings works up to 20-01-2023

S. No.	System Tender no.	Name of work	Probable Amount of Contract (In Lakh)	Earnest Money (In Lakh)	Class of Contractor
1	118900	Survey, Engineering, Procurement, Construction, testing, commissioning of Prem Nagar Water supply scheme under AMRUT Mission 2.0 including Trial run,12 months Defects Liability period and 5 years Operation and Maintenance of all Project Components/whole scheme	Rs 2571.28	Rs 12.86	In appropriate class

The details can be viewed and downloaded online directly from Government of Chhattisgarh e-Procurement System Portal (https://cgeprocurement.gov.in) from 30-12-2022 at 11:00 Hours (IST) on wards. For more details on the tender and bidding process you may please visit the above mentioned portal.

Chief Municipal Officer
Nagar Panchayat Prem Nagar, District-Surajpur (C.G.)

राजस्थान सरकार
कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जयपुर प्रथम

क्रमांक : भंडार/2022 दिनांक :

ई-निविदा

अधीनस्थ स्वास्थ्य केन्द्रों के लिए रिएजेन्ट क्रय हेतु पंजीकृत बोलीदाताओं से ई-निविदा के माध्यम से बोली आमंत्रित की जाती है जिसका अनुमानित मूल्य 1.5 करोड़ रूपये है। विस्तृत शर्तें निविदा प्रपत्र के अनुसार होगी जो sppp.raj.nic.in एवं eproc.raj.gov.in पर देखी जा सकती है। दिनांक 27.12.2022 से 17.01.2023 तक दोपहर 2.00 PM तक निविदा डाउनलोड एवं अपलोड की जा सकती है। निविदाओं को दिनांक 17.01.2023 को सायं 04.00 PM पर खोला जायेगा। निविदा शुल्क 1000/- रूपये व प्रोसेसिंग शुल्क 1000/- रूपये होगा।

UBN No. : MHS2223GLOB04977, NIB Code : MHS2223A2863

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी
जयपुर प्रथम

DIPR/C/16657/22

Delhi Pharmaceutical Sciences and Research University
The First Pharmacy University in India
A STATE UNIVERSITY UNDER ACT 07 OF 2008, Of Govt. OF NCT OF DELHI
Mehrauli-Badarpur Road, Sector – 3, PushpVihar, New Delhi 110017,
website: http://dpsru.edu.in

RECRUITMENT NOTICE NO.: DPSRU/NTS/2022/01

ADVERTISEMENT FOR VARIOUS NON TEACHING POSTS (GROUP B & C MINISTERIAL & TECHNICAL)

Online Applications on the prescribed format are invited from eligible candidates for direct recruitment to the following Non-Teaching (Group B & C) positions as per details given below:
Category of posts: Group B & C (Ministerial & Technical)

S. No.	Name of post	Pay Matrix Level	UR	EWS	OBC	SC	ST	TOTAL	PwD
1	Section Officer	Level-8, Rs.47600–151100	1	-	-	-	-	1	
2	Assistant Section Officer	Level-7, Rs.44900–142400	2	-	-	-	-	2	
3	Assistant Grade - II	Level-4, Rs.25500–81100	3	-	-	-	-	3	
4	Office Assistant	Level-2, Rs.19900–63200	6	1	3	1	1	12	1
5	Technical Assistant	Level-5, Rs.29200–92300	4	-	1	-	-	5	
6	Lab Technician	Level-2, Rs.19900–63200	3	-	1	-	-	4	
7	Lab Assistant	Level-2, Rs.19900–63200	5	-	1	1	-	7	1
8	Sr. Lab Assistant	Level-4, Rs.25500–81100	5	-	1	1	-	7	
9	Jr. Stenographer	Level-4, Rs.25500–81100	1	-	1	-	-	2	
10	Store Keeper	Level-4, Rs.25500–81100	1	-	-	-	-	1	
11	Assistant Store Keeper	Level-2, Rs.19900–63200	1	-	-	-	-	1	
	Total		32	1	8	3	1	45	

Last date has been extended upto: 08.01.2023.

Notes:
1. PwD reservation will be as per prevalent rules.
2. The number of posts advertised is indicative and the University reserves the right not to fill up any post and may decrease or increase the number of posts.
3. Upper age limit for sr. no. 1&2 is 35 years and for sr. no. 3,4,5,6,7,8,10 & 11 is 30 years and for sr. no. 9 is 27 years.

Qualification:
The online application form and other relevant details regarding educational qualifications, experience, Short-listing criteria, terms and conditions of appointment, relevance of degree, reservation policy, etc. required for various Non-Teaching posts advertised are available on University website: http://dpsru.edu.in

Registrar

बैंक ऑफ महाराष्ट्र
Bank of Maharashtra
एक परिवार एक बैंक

आंचलिक कार्यालय - एससीओ 120-122, प्रथम तल, सेक्टर 17-सी, चंडीगढ़-160017, संपर्क : 9871119223

बैंक ऑफ महाराष्ट्र हेतु लीज आधार पर परिसर चाहिए

बैंक ऑफ महाराष्ट्र को मौजूदा शाखा को स्थानांतरित करने और लीज आधार पर दो नई शाखाएं खोलने हेतु पट्टे के आधार पर पर्याप्त पार्किंग स्थान और उचित फ्रंटेज के साथ अधिमानतः भूतल पर उपयुक्त परिसर की आवश्यकता है। परिसर की निम्नानुसार आवश्यकता है :-

स्थान	जिला	राज्य/यूटी	शाखा की स्थिति	क्षेत्र आवश्यक
सिविल लाइंस रोड रोहतक एवं निकटवर्ती	रोहतक	हरियाणा	मौजूदा शाखा का स्थानांतरण	1000-1500 वर्ग फीट
ग्रेटर फरीदाबाद	फरीदाबाद	हरियाणा	नई शाखा	1000-1500 वर्ग फीट
गोल्फ कोर्स एक्सटेंशन रोड/ न्यू गुड़गांव	गुड़गांव	हरियाणा	नई शाखा	1000-1500 वर्ग फीट

परिसर वाणिज्यिक उपयोग के लिए सरकारी प्राधिकरणों द्वारा निर्धारित शर्तों की पुष्टि करने वाले अनुमोदित भवन में होना चाहिए। वाणिज्यिक उपयोग के लिए यदि संबंधित प्राधिकरणों से आवश्यक हो तो मालिक एनओसी प्राप्त करेगा। इच्छुक मालिक जिनके पास परिसर का स्पष्ट स्वामित्व है, वे निर्धारित प्रारूप में अपने सीलबंद प्रस्ताव दो बोली प्रणाली में प्रस्तुत कर सकते हैं अर्थात (1) तकनीकी बोली (2) वाणिज्यिक बोली दो अलग-अलग सीलबंद लिफाफों में और बोली का प्रारूप हमारी वेबसाइट www.bankofmaharashtra.in से डाउनलोड किया जा सकता है। संपत्ति पर स्पष्ट स्वामित्व रखने वाले इच्छुक मालिक अपना मुहरबंद प्रस्ताव दो बोली प्रणाली में 14.01.2023 को सायं 5:00 बजे तक जमा कर सकते हैं। अपूर्ण विवरण/जानकारी वाले प्रस्ताव और अंतिम तिथि और समय के बाद प्राप्त प्रस्तावों को अस्वीकार किया जा सकता है।

बैंक बिना कोई कारण बताए किसी भी या सभी प्रस्तावों को स्वीकार या अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित रखता है। मालिकों के अलावा अन्य से प्राप्त प्रस्तावों पर विचार नहीं किया जाएगा। दलालों के प्रस्तावों पर विचार नहीं किया जाएगा।

प्रस्ताव बैंक ऑफ महाराष्ट्र, चंडीगढ़ अंचल कार्यालय, एससीओ 120-122, पहली मंजिल, सेक्टर 17-सी, चंडीगढ़ - 160017 को जमा कराना होगा।

हस्ता/-
अंचल प्रबंधक
चंडीगढ़ जोन

दिनांक : 01.01.2023 स्थान : चंडीगढ़